मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 210, मुंबई, शुक्रवार, 8 अक्टूबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
# मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

## महाराष्ट्र में आईटी डिपार्टमेंट की बड़ी कार्रवाई

# डिप्टी सीएम अजित पवार के बेटे और तीन बहनों के दफ्तर, ऑफिस और फैक्ट्री पर छापा

## क्या है मामला

इनकम टैक्स विभाग ने जिन कंपनियों पर छापेमारी की है वे सभी शुगर मिल हैं। जो अजित पवार या उनके करीबियों से संबंधित हैं। शुगर मिल कारखाने के डायरेक्टर के घर पर इनकम टैक्स विभाग की छापेमारी की कार्रवाई शुरू होने की जानकारी प्रकाश में आई है। पुणे जिले में दौंड शुगर्स, अहमदनगर में अंबालिका शुगर्स, सतारा जिले में जरअंदेश्वर शुगर फैक्ट्री और नंदूरबार के निजी कारखाने पुष्पदनतेश्वर शुगर्स में छापेमारी शुरू है।

**संवाददाता**

**मुंबई।** महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार से संबंधित कंपनियों पर फिलहाल इनकम टैक्स विभाग की छापेमारी की गई है। इस बात को खुद अजित पवार ने स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि हां मुझसे संबंधित कंपनियों पर इनकम टैक्स विभाग ने रेड डाली है। आयकर विभाग किसी पर भी छापेमारी करने का अधिकार रखता है उन्हें शक आने पर वे ऐसी रेड को ऐसी कार्रवाई को अंजाम देते हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

## निचले स्तर की राजनीति शुरू

अजित पवार ने कहा कि मेरी कंपनियों पर छापेमारी की गई, इसका मुझे अफसोस नहीं है। लेकिन मेरे रिश्तेदारों पर क्यों रेड डाली गई? उनका कोई भी संबंध ना होते हुए यह रेड डालना उचित नहीं है। इतने निचले स्तर की राजनीति मैंने कभी नहीं देखी। सरकार आती है और जाती है लेकिन यहां जनता ही सब कुछ है। जनता हमेशा उचित निर्णय लेती है। बीते चुनाव समय में दौरान शरद पवार को भी एक बैंक से कुछ भी संबंध ना होने के बावजूद नोटिस भेजा गया था। उस समय की राजनीतिक गहमागहमी सभी ने देखी थी।

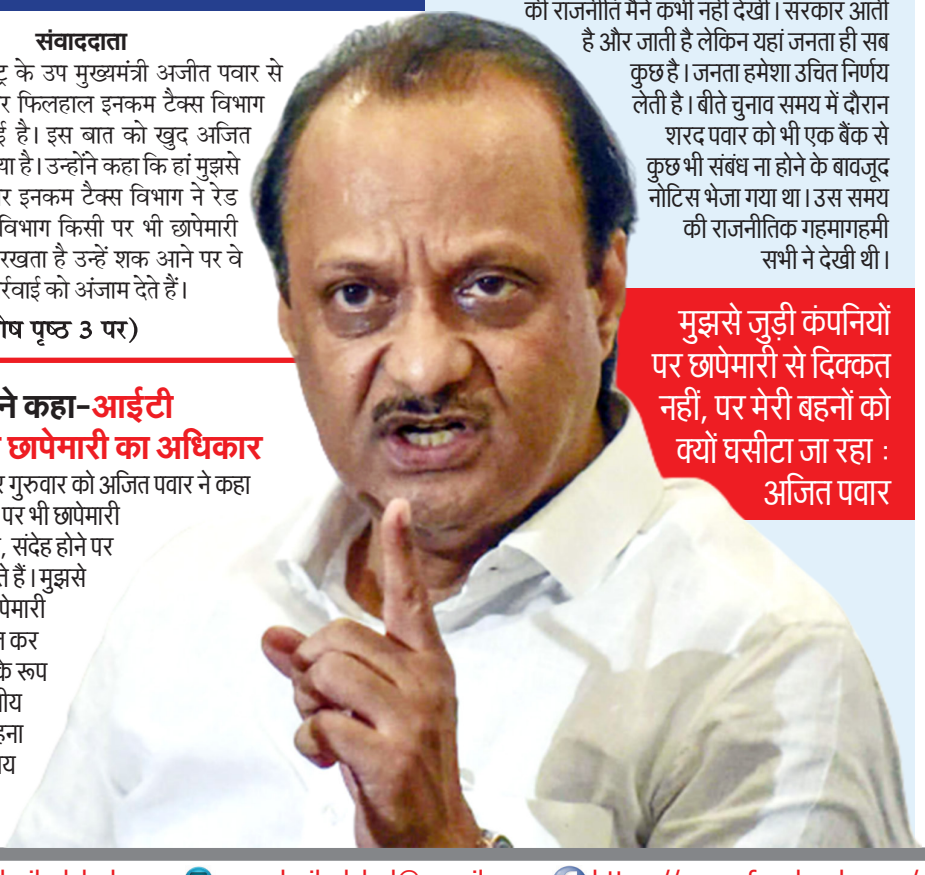

मुझसे जुड़ी कंपनियों पर छापेमारी से दिक्कत नहीं, पर मेरी बहनों को क्यों घसीटा जा रहा : अजित पवार

### अजित पवार ने कहा-आईटी डिपार्टमेंट को छापेमारी का अधिकार

इस छापेमारी पर गुरुवार को अजित पवार ने कहा कि आईटी को किसी पर भी छापेमारी करने का अधिकार है, संदेह होने पर वे छापेमारी कर सकते हैं। मुझसे जुड़ी कंपनियों पर छापेमारी की गई है। मैं नियमित कर चुकाता हूं, वित्त मंत्री के रूप में मुझे पता है कि वित्तीय अनुशासन में कैसे रहना है। मेरी कंपनियां समय पर अपने करों का भुगतान करती हैं।

**क्रूज ड्रग्स केस**

## आर्यन समेत सभी 8 आरोपी 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए

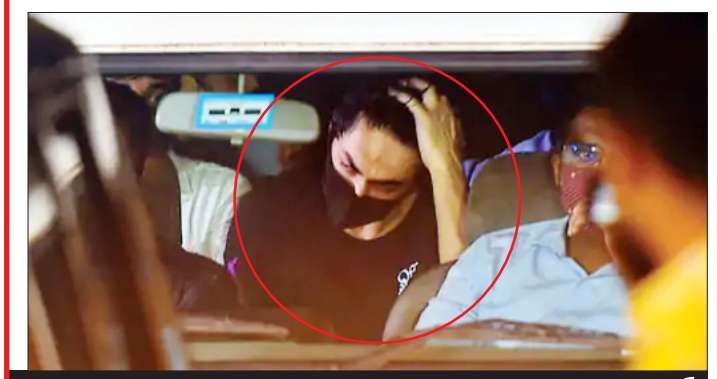

## जमानत पर आज होगी सुनवाई

**संवाददाता**

**मुंबई।** क्रूज ड्रग्स पार्टी केस में शाहरुख खान के बेटे आर्यन समेत सभी 8 आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्हें गुरुवार रात एनसीबी दफ्तर में ही रखा जाएगा। कोविड-19 की जांच रिपोर्ट न होने के कारण उन्हें आर्थर रोड जेल नहीं भेजा गया। मुंबई की मेट्रोपॉलिटन कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई। एनसीबी ने 11 अक्टूबर तक सभी आरोपियों की कस्टडी मांगी थी, लेकिन अदालत ने अनुमति नहीं दी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

**लखीमपुर हिंसा**

## आज से भूख हड़ताल करेंगे नवजोत सिंह सिद्धू

**संवाददाता**

**चंडीगढ़।** लखीमपुर हिंसा को लेकर पंजाब कांग्रेस प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू ने गुरुवार को एलान किया कि अगर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के बेटे की गिरफ्तारी नहीं होती है तो वे भूख हड़ताल पर बैठेंगे। मोहाली से लखीमपुर के लिए रवाना होते समय सिद्धू ने एलान किया, अगर कल तक केंद्रीय गृहराज्य मंत्री के बेटे की गिरफ्तारी नहीं हुई और उन्होंने जांच में सहयोग नहीं किया तो मैं शुक्रवार को भूख हड़ताल पर बैठूंगा। कांग्रेस के बाद अब शिरोमणि अकाली दल के नेता मृतक किसानों के परिजनों से मिलने लखीमपुर रवाना हो गए। सांसद हरसिमरत कौर बादल के नेतृत्व में शिअद नेता लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मिलेंगे।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

## हमारी बात

### फिर बढ़ी कीमतें

पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में फिर वृद्धि न केवल ध्यान खींचती है, बल्कि सोचने पर विवश भी करती है। पेट्रोल की कीमत में 30 पैसे प्रति लीटर और डीजल में 35 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। इस वृद्धि के साथ ही दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 102.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 91.42 रुपये प्रति लीटर हो गई है। देश में कुछ शहर ऐसे भी हैं, जहां पेट्रोल की कीमत 105 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गई है। पेट्रोल की कीमत में इसी वर्ष लगभग 18 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसी वर्ष की शुरूआत में डीजल की कीमत 75 रुपये के करीब थी, पर इसमें भी इस वर्ष करीब 17 रुपये की बढ़ोतरी हो चुकी है। कुल मिलाकर, इसी वर्ष पेट्रोल, डीजल के भाव में 17-18 रुपये की बढ़त चिंता में डालने के लिए काफी है। हालांकि, सबसे ज्यादा चिंता रसोई गैस को लेकर है। इसी साल रसोई गैस की कीमत में 205 रुपये तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। तेल विपणन कंपनियों ने बुधवार 6 अक्तूबर से घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में एक बार फिर 15 रुपये की बढ़ोतरी की है। यह दो महीने के भीतर चौथी कीमत बढ़ोतरी है। इस बढ़ोतरी के बाद 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब राजधानी दिल्ली में 899.50 रुपये हो गई है। त्योहारी मौसम में कीमतों की इतनी ज्यादा बढ़त बाजार ही नहीं, बल्कि लोगों की जेब पर सीधे असर डालेगी। ऐसा आखिर क्यों हो रहा है? बताया गया है कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बढ़ते भाव के कारण पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। जहां एक-एक पैसे की बढ़त से बजट पर असर पड़ता हो, वहां बीस-तीस पैसे की बढ़त बहुत गंभीर है। क्या कीमतों में कम वृद्धि मुमकिन नहीं थी? क्या सरकार को कर के स्तर पर रियायत देकर पेट्रोल की कीमत को 100 रुपये से नीचे नहीं रखना चाहिए? इसमें कोई शक नहीं कि सरकार को विकास कार्यों के लिए पैसे चाहिए? सरकार की अपनी बाध्यताएं भी हैं, वह कोरोना काल में अधिकांश ट्रेनों के बंद होने के बावजूद रेल कर्मचारियों को परंपरा के अनुरूप बोनस देने के लिए मजबूर है। त्योहारी मौसम में अन्य सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को भी कुछ न कुछ सरकार देगी। लेकिन सरकारी नौकरियों में देश के पांच प्रतिशत लोग भी नहीं हैं, बाकी लोगों को सरकार कीमतों में बढ़ोतरी न करते हुए ही राहत दे सकती है। उम्मीद करनी चाहिए कि अब पेट्रोलियम पदार्थों और आम लोगों की जेबों को नहीं छेड़ा जाएगा। बेशक, सरकार को पैसे चाहिए। वह कर या आयकर के स्तर पर ज्यादा वसूली नहीं कर पा रही है। जब अर्थव्यवस्था कठिन दौर है, जब लगभग हर उद्यम क्षेत्र को प्रोत्साहन की जरूरत है, तब सीधे कर वसूली करना आसान भी नहीं है। ऐसे में, सरकार को कैसे पैसे जुटाने चाहिए? यहां पैंडोरा का जिक्र गलत नहीं होगा। पैंडोरा ने यह संकेत कर दिया है कि देश के अनेक दिग्गज देश में कमाए गए धन को येन-केन-प्रकारेण देश से बाहर भेजते रहे हैं। ऐसा काली कमाई को छिपाने के लिए किया गया हो या टैक्स बचाने के लिए, दोनों ही स्थितियों में सरकार को आगे ऐसे उपाय करने चाहिए कि देश का पैसा देश में ही रहे। टैक्स चोरी की गुंजाइश को कम करना भी जरूरी है। सरकार को ऐसे प्रबंध करने ही पड़ेंगे, ताकि पेट्रोल-डीजल पर से दबाव कम हो।

# टू फ्रंट वार : भारत है तैयार

**एयर** मार्शल वी.आर. चौधरी ने वायु सेनाध्यक्ष का पदभार सम्भाल लिया है। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई जब पूर्वी लद्दाख में लाइन ऑफ एम्बुअल कंट्रोल पर भारत और चीन के बीच सीमा पर विवाद काफी बढ़ा हुआ और साथ ही पाकिस्तान लगातार हमारी सीमाओं पर अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा। वी.आर. चौधरी को 1982 में भारतीय वायुसेना की लड़ाकू धारा में शामिल किया गया था। 38 वर्षों के विशिष्ट करियर में उन्होंने भारतीय वायुसेना की सूची में विभिन्न प्रकार के लड़ाकू और प्रशिक्षक विमान उड़ाए हैं। उन्हें मिग 21, मिग 23, मिग 29 और सुखोई-30 एसकेआई लड़ाकू विमानों पर परिचालान उड़ान सहित 3800 घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव है।

चीन की निरंकुश नीतियों और पाकिस्तान से उसके गठजोड़ को देखते हुए यह जरूरी है कि भारतीय सेना सामरिक दृष्टिकोण अपनाए। एयर चीफ मार्शल ने वायुसेना के 89वें स्थापना दिवस से पहले वार्षिक मीडिया सम्बोधन में पाक और चीन को चेतावनी दे दी है कि भारत पूरी तरह से किसी भी तरह के खतरे और चुनौती से निपटने को तैयार है। अगर टू फ्रंट वार यानि चीन और पाकिस्तान दोनों मोर्चों पर एक साथ लड़ने की स्तिथि आती है तो भी वायुसेना पूरी तरह तैयार है। उन्होंने यह भी कहा की पूर्वी लद्दाख से सटी एलएसी पर चीन की पीएलए-एयरफोर्स तीन बड़े एयर बेस पर अपनी तैनाती को बेहद मजबूत कर रही है लेकिन उससे वायुसेना की तैयारियों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। करीब छह दशक पहले हिन्दी-चीनी भाई-भाई का जो नारा भारत-चीन की फिजां में गूंजा था, उसकी खुशबू दोनों ही पक्ष आज तक आत्मसात नहीं कर सके। चीन की विस्तारवादी नीतियां इसकी वजह रहीं। वैश्विक पटल पर भारत की बढ़ती धमक चीन को पच नहीं रही। उसकी तमाम हरकतों के बावजूद भारत ने उसकी महत्वकांक्षी वन वेल्ट वन रोड परियोजना को खारिज करके और उसका पिछलग्गू न बनकर अपने स्वाभिमान का परिचय दिया है। यह बात उसे नागवार गुजरी। भारत-चीन सीमा पर ड्रेगन का रवैया बदल गया हमारी जमीन पर उसकी गिद्ध दृष्टि और बढ़ गई। भारत का रुख अडिग है। भारत अब 1962 वाला भारत नहीं भारत अब इतना संयम और समर्थ हो चुका है कि किसी भी मुल्क को जमीन, आकाश और पातल में सबक सीखा सके। युद्ध किसी मसले का हल नहीं लेकिन अगर भारत पर इसे थोपा जाता है तो सक्षम राजनीतिक नेतृत्व में समर्थ देश अपनी सीमाओं की रक्षा करना बखूबी जान चुका है। डोकलाम से गलवान घाटी तक चीन को भारत के कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ा है। भारतीय वायुसेना की ओर से पाकिस्तान के बालाकोट में किए गए हमले ने पुलवामा आतंकी हमले का पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया था। इस अभियान को 12 मिराज 2000 ने अंजाम दिया था। भारतीय वायुसेना ने तीन-तीन युद्धों में पाकिस्तान को जमकर सबक सिखाया है। वायुसेना की स्थापना 8 अक्तूबर, 1932 को की गई थी, जिसमें 25 सैनिकों की ताकत थी, जिनमें से 19 लड़ाकू पायलट जिसके बाद लगातार वायुसेना में आधुनिकरण विस्तार आते रहे और भारतीय वायुसेना अब विश्व की चौथी सबसे खतरनाक वायुसेना बन चुकी है। राफेल मिलने से भारतीय वायुसेना की ताकत काफी बढ़ी है। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा क्षेत्र में बहुत कुछ बदला है। जियो-पालिटीकल क्षेत्र में भी बदलाव आए हैं और डिसरपिटव-टैक्नोलोजी (ट्रोन अटैक) से भी चुनौतियां बढ़ गई हैं। जरूरत है भारतीय वायुसेना को नई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया जाए। वायुसेना अध्यक्ष ने अपनी जरूरतें भी बताई हैं कि दोनों मोर्चों पर लड़ने के लिए वायुसेना को लड़ाकू विमानों की 42 स्कॉवड्रन की जरूरत है। अगले दशक तक वायुसेना के पास 35 स्कॉवड्रन ही हो पाएंगे। वायुसेना के लिए 114 नए लड़ाकू विमानों की निविदा जारी कर दी गई है। राफेल लड़ाकू विमान भी दूसरे लड़ाकू विमानों के साथ प्रतिस्पर्धा में है। वायुसेना 4.5 जेनरेशन वाले ऐसे लड़ाकू विमान चाहती है जिनमें फिफ्थ जेनरेशन की भी कुछ खुबियां हों। रूस से मिलने वाला एस-400 मिसाइल सिस्टम इस वर्ष के अंत तक वायुसेना को मिल जाएगा। मौजूदा हालातों में चीन के पास ऐसा कोई रास्ता नहीं कि वो हमें हटा सके। वायुसेना ने लद्दाख में सभी जरूरी आपरेशनल लोकेशन पर तैनाती कर रखी है। हर भारतीय को अपनी सेना पर गर्व है और भरोसा भी है। इसी भरोसे के चलते देशवासी चैन की नींद सोते हैं।

# फिर सामने आई शैक्षिक तंत्र की नाकामी

**दिल्ली** विश्वविद्यालय यानी डीयू देश में उच्च शिक्षा के सबसे पसंदीदा संस्थानों में से एक है। गत सप्ताह डीयू ने प्रवेश सूची जारी की, जिसमें यही दिखा कि कई पाठ्यक्रम ऐसे हैं, जिनमें प्रवेश के लिए कटआफ शत प्रतिशत अंकों तक चला गया। यह हमारे शैक्षिक तंत्र की नाकामी के साथ-साथ हमारी सोच और समाज की नाकामी का भी संकेत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) समिति का सदस्य होने के नाते मैंने अपने अनुभवों के आधार पर आमूलचूल और तंत्रत्मक सुधारों की पैरवी की थी। पिछली सदी के अंतिम दशक की बात करें तो 55 प्रतिशत से अधिक और 60 प्रतिशत से कम प्राप्तांक को गुड सेकेंड के रूप में एक बड़ी उपलब्धि माना जाता था। वहीं किसी एक या दो विषय में 75 प्रतिशत अंकों के साथ विशिष्ट योग्यता (डिस्टिंकशन) की स्थिति पूरे परिवार की प्रसन्नता का माध्यम बनती। अब 95 प्रतिशत अंकों का पिछली सदी के अंतिम दशक के 50 प्रतिशत अंकों जितना ही मोल रह गया है। जिन छात्रों को 97,98 या यहां तक कि 99 प्रतिशत अंक मिले, वे भी हालिया रिलीज कटआफ में स्थान नहीं बना पाए। जिन्हें शत प्रतिशत अंकों के साथ प्रवेश मिला, उनके लिए एक कड़वी सच्चाई यही है कि उन्हें आगे और कड़ी चुनौतियां झेलनी हैं। स्पष्ट है कि यह एक ऐसा मसला है, जिसे हमें न केवल समझना होगा, बल्कि उस पर चिंतित होने की आवश्यकता भी है। शत प्रतिशत अंक प्राप्त करना इतनी बड़ी उपलब्धि है कि उसे हासिल करने वाले बच्चों के माता-पिता उस पर बेहद खुश होंगे और संभव है कि वे अपने बच्चों की उत्कृष्टता का बखान करते नहीं थकेंगे। यह भी इस पर जश्न मनाने की एक वजह है। वहीं जिन छात्रों को शत प्रतिशत अंक प्राप्त नहीं हुए, वे अफसोस कर रहे होंगे कि मात्र दो-तीन फीसद के अंतर से इस उपलब्धि से वंचित रह गए। विशिष्ट योग्यता के बारे में तो आज कुछ न ही कहा जाए तो बेहतर, जिसका प्रवेश के दृष्टिकोण से कोई मूल्य-महत्व नहीं रहा। ऐसे में शत प्रतिशत अंक हासिल करने में नाकामी की आशंका को लेकर छात्रों की मानसिक अवस्था की कल्पना ही डराती है। अब शत प्रतिशत अंक कीवर्डस के आधार पर दिए जाते हैं। जो छात्र सही कीवर्डस के साथ उत्तर देता है, वह शत प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है। कोई परीक्षक अक्सर यह भी सोचता है कि हर किसी को सौ फीसद अंक नहीं दिए जा सकते तो कुछ छात्रों को शत प्रतिशत अंक प्रदान करने के बाद उसका पैमाना कुछ बदल जाता है। इस प्रकार परीक्षक की मानसिक अवस्था अन्य छात्रों के पूर्ण अंक प्राप्त करने में बाधा बन जाती है। क्या साल भर की मेहनत का तीन घंटे की परीक्षा के दौरान परीक्षण किसी अभ्यर्थी की क्षमताओं को परखने के लिए पर्याप्त है? वास्तव में यदि ऐसी परीक्षा में कोई पूरे अंक प्राप्त भी कर ले, तो यह उसका उचित मूल्यांकन नहीं होगा। भविष्य में आटोमेशन बढ़ने के साथ ही ऐसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं जहां अधिकांश छात्रों को शत प्रतिशत अंक मिलें। ऐसी स्थिति के लिए हम कितने तैयार हैं? जो छात्र शत प्रतिशत या 90 प्रतिशत तक अंक प्राप्त कर रहे हैं उनके अवचेतन में यह बात घर करती जाएगी कि शत प्रतिशत अंक एक मानदंड है। इससे बड़ी त्रसदी यह है कि वे सफलता को अंकों के पैमाने पर ही तौलने लगेंगे। उन्हें यह भी लगने लगेगा कि चूंकि वे शत प्रतिशत अंक प्राप्त कर रहे हैं तो वे अद्वितीय और सदैव सही हैं। मेरे हिसाब से यह शत प्रतिशत अंकों के साथ सबसे बड़ा नकारात्मक पहलू है। इन प्रतिभाशाली युवाओं के दिमाग में यही बात बैठ जाएगी कि वे कभी गलत नहीं हो सकते और उनके लिए शत प्रतिशत से कम अंक स्वीकार्य नहीं होंगे। न ही उन्हें दूसरे पायदान पर रहना किसी सफलता का अहसास कराएगा। वास्तव में सदैव शीर्ष पर रहना ही उनकी मन:स्थिति बन जाएगी।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प ) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर



मुंबई, शुक्रवार
8 अक्टूबर, 2021



# भाजपा पर भारी महाविकास अघाड़ी : जिला परिषद में भाजपा 22 और पंचायत समिति में कांग्रेस 35 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी, अपने गढ़ नागपुर में कमल मुरझाया

**संवाददाता**

**मुंबई।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महाराष्ट्र के छह जिलों की 85 जिला परिषद सीटों के उपचुनाव में 22 सीटों पर जीत हासिल की है। कांग्रेस को 144 पंचायत समिति सीटों में से 35 पर जीत हासिल हुई है। देर रात को राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी नतीजों में यह जानकारी दी गई है। इस हिसाब से जिला परिषद में भाजपा और पंचायत समिति में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। हालांकि, भाजपा को अपने ही गढ़ यानी नागपुर में हार का सामना करना पड़ा है। यहां कांग्रेस को सबसे ज्यादा 9 सीटें मिली हैं। वहीं महाविकास अघाड़ी का कुल आंकड़ा 46 के पार पहुंच गया है। 6 जिला परिषदों में धुले, नंदुरबार, अकोला, वाशिम, नागपुर और पालघर शामिल हैं। इसकी 84 खाली सीटों और 37 पंचायत समितियों की 141 सीटों पर मंगलवार को मतदान हुआ था और बुधवार को देर रात तक मतगणना हुई। इसके अलावा, एक जिला परिषद सीट और तीन पंचायत समिति वार्ड में उम्मीदवारों का निर्विरोध चुनाव हुआ। नागपुर जिला परिषद की 16 सीटों पर हुए उपचुनाव में बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस ने यहां नेता विपक्ष देवेन्द्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का सूपड़ा साफ करते हुए 9 सीटों पर जीत दर्ज की है। बीजेपी के खाते में 3 और एनसीपी के खाते में 2 सीटें आई हैं। 2 सीटों पर अन्य ने कब्जा जमाया है।

**बीजेपी को कांग्रेस ही रोक सकती है: नाना पटोले**

नागपुर में कांग्रेस की जीत पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले ने कहा

कि जिला परिषद व पंचायत समिति चुनाव के परिणाम से साफ हो गया है कि बीजेपी को सिर्फ कांग्रेस रोक सकती है। लोगों ने माना है कि देश में बीजेपी के किसान विरोधी नीति, महंगाई, संविधान को खत्म करने की साजिश को कांग्रेस ही मुंहतोड़ जवाब दे सकती है। इसलिए लोगों ने हमारी पार्टी का समर्थन किया है।

**रसातल में शिवसेना: देवेंद्र**

भाजपा के परिणाम पर पूर्व सीएम और नेता विपक्ष देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में भाजपा नंबर एक की पार्टी के रूप में उभरी है, जबकि महाराष्ट्र विकास आघाडी में कांग्रेस-राको आगे बढ़ रही है और शिवसेना रसातल में जा रही है। इस पर शिवसेना को सोचना चाहिए।

**जनता विरोधी भाजपा की नीतियों पर जनता ने किया प्रहार: चव्हाण**

लोक निर्माण मंत्री, अशोक चव्हाण ने कहा कि मराठा आरक्षण और ओबीसी राजनीतिक आरक्षण पर अपने दोहरे मापदंड से भाजपा को जिला परिषद और पंचायत समिति उपचुनाव में बड़ा झटका लगा है, वोटर्स ने बीजेपी की इन जनविरोधी नीतियों का करारा जवाब दिया है। नतीजे बताते हैं कि लोगों ने उन्हें नकार दिया है। इसने साबित कर दिया है कि लोग आघाड़ी सरकार के विकास कार्यों के साथ है।

पालघर की वनई जिला परिषद सीट पर शिवसेना को बड़ा झटका लगा है। यहां से शिवसेना सांसद राजेंद्र गावित के बेटे रोहित गावत को कड़ी हार का सामना करना पड़ा है। वे तीसरे नंबर पर रहे। इस सीट से भाजपा के पंकज कोरे ने कांग्रेस की वर्षा वायडा को 412 वोटों से हरा दिया। शिवसेना के लिए यह प्रतिष्ठा की सीट मानी जा रही थी। शिवसेना ने इस सीट पर जीत के लिए सीनियर नेता और कैबिनेट मंत्री एकनाथ शिंदे समेत कई नेताओं को प्रचार में लगाया था। पंचायत समिति की 144 सीटों पर हुए उपचुनाव में अन्य पार्टियों की अपेक्षा निर्दलीय उम्मीदवारों को सबसे ज्यादा सीटें मिली हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर कांग्रेस और तीसरे स्थान पर भाजपा प्रत्याशी चुने गए हैं।

# न्यूज कवर करने गए पत्रकार पर क्या षड्यंत्रकारी हमला?

**संवाददाता/समद खान**

**मुंब्रा।** गत 4 अक्टूबर सोमवार को सुकून समिति द्वारा धरना आंदोलन किया गया। यह धरना आंदोलन विरोधी पक्ष नेता शानू पठान के विरोध में किया गया था। सुकून समिति की कई मांगे थी इसमें सबसे अहम मुद्दा दारुल फलाह की जमीन पर दुकाने नहीं बनाई जाएं ऐसा विरोध यह समिति द्वारा किया जा रहा था और ऐसे कई एक मुद्दे पर यह सुकून समिति अपनी मांगों को लेकर अड़ी हुई थी इस मामले में अहमद नेता द्वारा बताया जा रहा है कि हमें मनपा प्रशासन के अधिकारी कार्यकारी अभियंता धनंजय गोसावी द्वारा यह कहा गया कि आप जेसीबी ले जाओ मैं पैसा देता हूं और दारुल फलाह गार्डन की बाउंड्री वॉल को आप तूडवादो और फिर अहमद नेता और उनकी पत्नी नाज गुलअंदाज जेसीबी लेकर दारुल फलाह की दीवार तोड़ने पहुंच गए इस पर शहर भर के तमाम पत्रकार यह न्यूज कवर करने के लिए पहुंच गए फिर अचानक पत्रकार सुल्तान रजा रिजवी

पत्रकार सुल्तान रजा रिजवी



नाज गुलंदाज

पर 4 लोगों द्वारा हमला कर दिया गया इसमें नाम सूत्रों द्वारा बताया जा रहा है आदिल खान साजिद जग्गा और इनका अन्य 1 साथी ने मिलकर पत्रकार और महिला नाज गोलंदाज पर हमला कर दिया हमले के बाद उनको मुंब्रा पुलिस स्टेशन लाया गया जहां पर मुंब्रा पुलिस ने कलवा छत्रपति शिवाजी अस्पताल जाने को कहा अब देखना यह है यह हमला पत्रकार पर हुआ है पत्रकार पर हमला यानी कानून पर हमला इसमें कोई शक नहीं है कि यह हमला एनसीपी के नेताओं द्वारा रची गई साजिश के तहत हुआ है। अब देखना यह है इस मामले में मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मधुकर कड क्या भूमिका निभाते हैं। यह देखने वाली बात होगी क्या पत्रकार पर और महिला पर हमला करने वालों पर मुंब्रा पुलिस एफ आई आर दर्ज करेगी। क्योंकि इन हमलावरों को एनसीपी के नेता का संरक्षण प्राप्त है और वह इस समय सत्ताधारी पार्टी भी है यह देखने वाली बात होगी।

# 'मेरे खिलाफ ईडी की कार्रवाई दुर्भावनापूर्ण'

**संवाददाता**

**मुंबई।** महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने बृहस्पतिवार को बंबई उच्च न्यायालय में दलील दी कि कथित धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनके खिलाफ शुरू की गई कार्रवाई 'दुर्भावनापूर्ण' है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विक्रम चौधरी ने न्यायमूर्ति नितिन जमादार और न्यायमूर्ति एस वी कोतवाल की पीठ को बताया कि जिस तरह से केंद्रीय एजेंसी ने उन्हें समन जारी किया और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) लगाया, वह देशमुख के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। चौधरी ने पीठ से ईडी की कार्यवाही रद्द करने का आग्रह किया। साथ ही देशमुख के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं किए जाने के संबंध में ईडी और सीबीआई को अंतरिम निर्देश देने का भी अनुरोध किया। उन्होंने यह भी कहा कि देशमुख को इलेक्ट्रॉनिक रूप से दस्तावेज सौंपने और अपना बयान देने की अनुमति दी जानी चाहिए और ईडी को देशमुख को व्यक्तिगत रूप से उसके सामने उपस्थित होने के लिए मजबूर करने से रोका जाना चाहिए। देशमुख की याचिका के अनुसार, ईडी ने उनके खिलाफ 11 मई 2021 को मामला दर्ज किया और 25 जून को पहला समन जारी किया।

(पृष्ठ 1 का शेष)

**महाराष्ट्र में आईटी डिपार्टमेंट की बड़ी कार्रवाई**

इनकम टैक्स विभाग को किसी भी संदिग्ध व्यक्ति पर छापेमारी करने का अधिकार है। मुझसे संबंधित कंपनियों पर भी छापेमारी की गई है। मैं नियमित टैक्स भरता हूं। वित्त मंत्री रहते हुए भी किस प्रकार से फाइनेंसियल मैनेजमेंट करना है। इस बात को भी मैंने समझा है। कोई भी टैक्स छुपाना नहीं है बल्कि उसे कैसे भरा जाता है। मुझे इस बात का भी पूरा ज्ञान है। मुझसे संबंधित कंपनियों ने भी समय-समय पर टैक्स भरा है। बावजूद इसके राजनीतिक द्वेष की भावना से यह रेड की कार्रवाई की जा रही है। अजित पवार ने कहा कि मुझ से संबंधित कंपनियों पर रेड डाली गई, इस विषय में मुझे कुछ नहीं बोलना है। मैं भी एक नागरिक हूं लेकिन मुझे एक बात का दुख है कि मेरी जिन बहनों की 35 से 40 साल पहले शादी हो चुकी है। जो अपने सांसारिक जीवन में व्यस्त हैं। उनपर भी रेड डाली गई है। पवार की एक बहन कोल्हापुर और दो पुणे में रहती हैं। मुझे इस बात का कारण समझ में नहीं आ रहा है। उनके बेटे- बेटियों की भी शादी हो गई है। यदि अजित पवार का रिश्तेदार होने की वजह से उनके ऊपर रेड डाली गई है। तो महाराष्ट्र की जनता को यह बात जरूर देखनी होगी कि किस स्तर पर जाकर इन संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है।

**आर्यन समेत सभी 8 आरोपी 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए**

फैसले के बाद आर्यन के वकील सतीश मानशिंदे ने कोर्ट से जमानत याचिका पर भी सुनवाई करने की अपील की। इसका एएसजी अनिल सिंह ने विरोध किया। कोर्ट ने भी जमानत पर आज सुनवाई करने से मना कर दिया। अब शुक्रवार सुबह 11 याचिका पर सुनवाई होगी। सतीश मानशिंदे ने कोर्ट से कहा कि 2 रातों से आर्यन से पूछताछ नहीं हुई है। फिर भी एनसीबी आर्यन की कस्टडी मांग रही है। मानशिंदे ने कहा कि एनसीबी बार-बार कह रही है कि वह मुख्य आरोपी तक पहुंचना चाहती है, लेकिन तब तक आर्यन को बंधक बनाकर नहीं रखा जा सकता। आर्यन केस से पहले अचित कुमार के मामले की सुनवाई हुई। उन्हें 9 अक्टूबर तक एनसीबी की कस्टडी में भेज दिया गया। अचित की गिरफ्तारी आर्यन के बयान के आधार पर की गई थी। हाई प्रोफाइल मामला होने की वजह से कोर्ट रूम में बहुत भीड़ देखी गई। इस वजह से बचाव पक्ष के वकील ने जज से गुजारिश करते हुए कहा कि जिन लोगों का केस से संबंध नहीं है, उन्हें कोर्ट रूम से बाहर भेजा जाए। जज ने केस से संबंधित लोगों को हाथ उठाने को कहा और बाकी लोगों को बाहर जाने का आदेश दिया। इस मामले में अब तक 17 लोगों को एनसीबी गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें से 8 लोग 7 अक्टूबर तक और अन्य 8 आरोपी 11 अक्टूबर तक एनसीबी की कस्टडी में हैं। आर्यन के अलावा उनके दोस्त अरबाज मर्चेंट, विक्रांत छोकर, गोमित चोपड़ा, इश्मीत सिंह चड्ढा, मोहक जायसवाल, मुनमुन धामीचा और नूपुर सतीजा की कस्टडी भी आज समाप्त हो रही है। इस केस में अधिकारियों ने कथित रूप से कोकीन, मेफेड्रोन, चरस, हाइड्रोपोनिक और एमडीएमए जैसी कई ड्रग्स और 1.33 लाख रुपए नगद जब्त किए हैं। आरोपी मोहक जायसवाल से पूछताछ के बाद अधिकारियों ने मुंबई के जोगेश्वरी में छापेमारी की और 3 अक्टूबर को अब्दुल कादिर शेख को मेफेड्रोन के साथ गिरफ्तार किया। एनसीबी का दावा है कि आरोपी इश्मीत सिंह चड्ढा से पूछताछ के बाद उन्होंने 4 अक्टूबर को गोरेगांव निवासी श्रेयस सुरेंद्र नायर को चरस के साथ गिरफ्तार किया था।

**आज से भूख हड़ताल करेंगे सिद्धू**

जहां उनके द्वारा घटना के लिए जिम्मेदार सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की जाएगी। शिअद अध्यक्ष सुखबीर बादल ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश सरकार से मुलाकात करेगा और उन पर दबाव बनाएगा कि वे इस भयावह कृत्य के दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करे। शिरोमणि अकाली दल इस मामले में बेहद स्पष्ट है कि इस नरसंहार के जिम्मेदार सभी लोगों को तुरंत सलाखों में डाला जाना चाहिए, चाहे वे कितने ही उच्च पद पर क्यों न हों। सुखबीर ने बताया कि लखीमपुर खीरी के लिए रवाना होने वाले पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में हरसिमरत कौर बादल, बलविंदर सिंह भूंदड़, प्रो. प्रेम सिंह चंदूमाजरा, जागीर कौर और बिक्रम सिंह मजीठिया शामिल हैं।

## भाजयुमो प्रयागराज द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

**प्रयागराज** भारतीय जनता पार्टी महानगर युवा मोर्चा अध्यक्ष रोहित पांडे उर्फ पप्पू पांडे के नेतृत्व में और दोनों महानगर महामंत्री श्याम प्रकाश पांडे और महामंत्री अमित गुप्ता की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ महानगर के हर मंडल में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया कार्यक्रम संयोजक महानगर मंत्री पवन राष्ट्रवादी रहे कार्यक्रम में उपस्थित शशांक शेखर सिंह सौरभ मेहता आकाश चौरसिया विकल देवेंद्र शुक्ला छोटू बचपन गुप्ता यस कौशल विक्रांत शुक्ला अक्षय ओझा शशांक शुक्ला अमन केसरवानी रतन मित्तल संदीप मिश्रा शिवार्चन पांडे सौरभ कुशवाहा रजत दुबे मनीष सिंह सिद्धार्थ पांडे अमित कुमार रजत दुबे शुभम कुशवाहा अमित मिश्रा हिमांशु श्रीवास्तव लोकुश केसरवानी संजय अग्रवाल सहित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

# वैश्विक बाजार में कच्चा तेल, देश में कोयला महंगा, बढ़ सकती है महंगाई

संवाददाता / नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम रोज एक नई हाई लगा रहे है। कोविड के बाद देश में कोयले की किल्लत महंगाई को बढ़ाते हुए तेज आर्थिक तरकी की राह में रोड़ा अटका सकती है। ये बातें काफी अहम हैं क्योंकि इसी हफ्ते भारतीय रिजर्व बैंक की पॉलिसी मीटिंग होने वाली है, जहां ब्याज दरें बढ़ाए जाने का अनुमान पिछले कुछ दिनों से लगाया जा रहा था।

■ भारत जरूरत का 85 फीसदी क्रूड का आयात करता है

देश में लगभग 70 प्रतिशत बिजली कोयले से बनाई जाती है और लगभग 85प्रतिशत क्रूड का आयात किया जाता है। कोयले की कमी फैक्ट्रियां बंद करा सकती है, जो दिक्कत वाली बात है। ऐसे में क्रूड ऑयल का आयात बढ़ सकता है। वह भी तब, जब इंटरनेशनल मार्केट में उसकी कीमत सात साल के ऊंचे स्तर पर चल रही है और इकोनॉमी पर दबाव बना रही है।

### देश में 70 प्रतिशत बिजली कोयले से बनाई जाती है

#### रेपो रेट में नहीं होगा कोई परिवर्तनः आरबीआई

सप्लाई में रुकावट के चलते महंगाई बढ़ने पर उसे संभालना आरबीआई के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए वह अहम उधारी दर (रेपो रेट) को रिकॉर्ड निचले स्तर पर बनाए रखना चाहता है। रूस और ब्राजील जैसे विकासशील देशों ने महंगाई पर काबू पाने के लिए रेपो रेट बढ़ाए हैं। लेकिन अर्थशास्त्रियों पर कराए गए ब्लूमबर्ग के सर्वे के मुताबिक रिजर्व बैंक शुक्रवार को रेपो रेट जस-का-तस रख सकता है।

#### महंगाई और नकदी पर आरबीआई के रुख पर होगी नजर

बांड ट्रेडरों का ध्यान इस बात पर होगा कि रिजर्व बैंक ग्लोबल कमोडिटी मार्केट में तेजी, महंगाई और सिस्टम में नकदी को लेकर क्या अनुमान देता है। उन्होंने पॉलिसी नॉर्मलाइजेशन के लिए आरबीआई की तरफ से बांड की खरीदारी की रफ्तार घटाए जाने और बाजार से नकदी निकाले जाने की संभावनाओं के हिसाब से अपनी ट्रेडिंग स्ट्रैटेजी को एडजस्ट करना शुरू कर दिया है।

#### करेंसी और बांड बाजार पर भारी दबाव

फ्यूल (क्रूड ऑयल और कोयले) से जुड़ी दोनों घटनाओं के चलते महंगाई और व्यापार घाटा बढ़ने के आसार से करेंसी और बांड बाजार पर भारी दबाव बना है। इस महीने एशियाई करेंसी में रुपया सबसे कमजोर रहा है जो बुधवार को डॉलर के मुकाबले 0.2 प्रतिशत कमजोर होकर 74.60 पर चला गया था। 10 साल के बांड की यील्ड मंगलवार को अप्रैल 2020 के बाद के उच्चतम स्तर 6.28 प्रतिशत पर पहुंच गई थी।

#### खुदरा महंगाई 6 फीसदी रहने की आशंका

डोएचे बैंक के मुताबिक खुदरा महंगाई दर फिलहाल आरबीआई के कंफर्ट जोन 4 प्रतिशत से 2फीसदी ऊपर या नीचे यानी 2 प्रतिशत से 6प्रतिशत की रेंज में है। लेकिन कोर इनफ्लेशन के कम-से-कम अगले छह महीनों तक 6 प्रतिशत के पास बने रहने की आशंका है। खुदरा मंहगाई में तेज उतार चढ़ाव के जोखिम वाले खाने-पीने के सामान और ईंधन में महंगाई शामिल नहीं होती।

## विदेशी स्रोत समेत सस्ते विकल्प तलाशने को कहा

# पीएफसी, आरईसी कोष जुटाने के सस्ते विकल्प तलाशें : बिजली मंत्री

संवाददाता / नई दिल्ली

बिजली मंत्रालय ने एक बयान में कहा, बिजली, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह ने 4 और 5 अक्टूबर, 2021 को क्रमशः आरईसी और पीएफसी लिमिटेड के कामकाज की समीक्षा के लिए बैठक की। उन्होंने दोनों इकाइयों से कोष की लागत को कम करने का प्रयास करने को कहा।

*बिजली मंत्री आरके सिंह ने सार्वजनिक क्षेत्र की पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) और आरईसी से कोष जुटाने को लेकर विदेशी स्रोत समेत सस्ते विकल्प तलाशने को कहा है। उन्होंने दोनों गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) से यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि बिजली क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न इकाइयों खासकर नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को सस्ता कोष मिले।*

#### सरकार के दृष्टिकोष का जिक्र

बैठक में बिजली राज्यमंत्री कृष्णपाल, बिजली सचिव और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ आरईसी और पीएफसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक उपस्थित थे। बयान के अनुसार मंत्री ने सभी को 24 घंटे सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के बारे में सरकार के दृष्टिकोण का जिक्र किया।

#### प्रतिस्पर्धा में सुधार लाने की जरूरत

इस संदर्भ में उन्होंने दोनों संस्थानों की बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के दृष्टिकोण से इनकी प्रतिस्पर्धा में सुधार लाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने यह भी सलाह दी कि दोनों संगठनों को बाजार की बदलती हुई जरूरतों के अनुसार गतिशील रुख अपनाना चाहिए, नवीकरणीय ऊर्जा में बढ़ोतरी करनी चाहिए और अपने कोष की लागत कम करने के प्रयास करने चाहिए।

**खास बातें**

- नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को सस्ता कोष मिले
- आईआरसी और पीएफसी ने कामकाज के लिए समीक्षा बैठक की
- 24 घंटे सस्ती बिजली उपलब्ध कराने कहा
- दोनों संस्थानों की बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF POWER

पी एफ सी PFC

*परियोजना पर निगराना की कड़ी व्यवस्था हो:* मंत्री ने यह निर्देश भी दिया कि पीएफसी और आरईसी द्वारा वित्तपोषित परियोजना पर निगरानी की कड़ी व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने दोनों संस्थानों के जोखिम प्रबंधन ढांचे को मजबूत बनाने पर भी जोर दिया।

#### दबाव वाली परिसंपत्तियों के जल्द समाधान पर जोर

दबाव वाली परिसंपत्तियों के जल्दी समाधान की जरूरत पर जोर दिया और इस संदर्भ में दोनों संगठनों को कई उपाय करने का सुझाव दिया। इसमें यह सुनिश्चित करना भी शामिल है कि दबाव वाली परिसंपत्तियों का न्यूनतम कटौती के साथ उचित मूल्य पर राष्ट्रीय हितों के अनुरूप समाधान किया जाए।

#### सस्ती दर पर निधि उपलब्ध कराए

इस संदर्भ में उन्होंने पीएफसी और आरईसी को विदेशी स्रोतों सहित कोष जुटाने के लिए बेहतर और सस्ते विकल्प तलाशने का सुझाव दिया ताकि बिजली क्षेत्र से जुड़ी सभी इकाइयों को सस्ती दर पर निधि उपलब्ध हो सके। सिंह ने इसके लिये पीएफसी और आरईसी को उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य के साथ इस क्षेत्र में बदले हुए व्यापारिक माहौल के अनुकूल एक रणनीतिक विश्लेषण करने का भी निर्देश दिया।

## सेंसेक्स ने लगाया 555 अंक का गोता

संवाददाता / मुंबई

वैश्विक बाजारों में बिकवाली का सिलसिला चलने से सेंसेक्स 555 अंक टूट गया। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में उछाल तथा आपूर्ति श्रृंखला की अड़चनों की वजह से मुद्रास्फीति बढ़ने की आशंका जताई जा रही है, जिससे वैश्विक पुनरुद्धार प्रभावित हो सकता है।

■ वैश्विक बाजारों में बिकवाली से बाजार में गिरावट

बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 555.15 अंक या 0.93 प्रतिशत के नुकसान से 59,189.73 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 176.30 अंक या 0.99 प्रतिशत टूटकर 17,646 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में इंडसइंड बैंक का शेयर सबसे अधिक 3.38 प्रतिशत टूट गया। टाटा स्टील, बजाज ऑटो, सन फार्मा, एचसीएल टेक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाइटन के शेयरों में भी गिरावट आई। वहीं दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी तथा बजाज फाइनेंस के शेयर 1.24 प्रतिशत तक चढ़ गए।

#### निवेशकों की 2.57 लाख करोड़ रु. की पूंजी डूबी

निवेशकों की 2,57,785.17 करोड़ रुपए की पूंजी डूब गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 555.15 अंक या 0.93 प्रतिशत के नुकसान से 59,189.73 अंक पर आ गया।बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2,57,785.17 करोड़ रुपये घटकर 2,62,20,547.05 करोड़ रुपये रह गया।

## पीएम के तोहफों की ई-निलामीः नीरज चोपड़ा का भाला 1.5 करोड़ रुपये में बिका, पटेल की मूर्ति के लिए सबसे ज्यादा बोलियां

**नई दिल्ली।** पीएम मोदी को मिले तोहफे व उपहारों की ई-नीलामी का गुरुवार को आखिरी दिन था। प्रधानमंत्री मोदी को मिले उपहारों की ई-नीलामी में धार्मिक कलाकृतियों ने लोगों को अपनी ओर खूब आकर्षित किया। धार्मिक कलाकृतियों के अलावा ओलंपियनों के खेल उपकरणों की बोली सबसे अधिक लगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट किए गए प्रतिष्ठित उपहारों और स्मृति चिन्हों की ई-नीलामी का तीसरा दौर 17 सितंबर को शुरू हुआ था और सात अक्टूबर, 2021 तक वेब पोर्टल www.pmmementos.gov.in के माध्यम से आयोजित किया गया। पीएम मोदी ने कहा था कि ई-नीलामी से होने वाली आय 'नमामि गंगे' पहल में उपयोग की जाएगी। नरेंद्र मोदी भारत के पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने देश की जीवन रेखा - पवित्र नदी गंगा के संरक्षण और कायाकल्प के महान कार्य के लिए उन्हें मिले सभी उपहारों की नीलामी की है। तीसरे दौर में ई-नीलामी के लिए कुल 1348 स्मृति चिन्ह रखे गए थे, जिसने जनता के बीच एक बड़ी रुचि पैदा की, जिन्होंने उत्साहपूर्वक इतिहास के एक मूल्यवान टुकड़े के मालिक होने का अवसर पाने के लिए बोली लगाई। ई-नीलामी के इस दौर की मुख्य वस्तुओं में पदक विजेता टोक्यो 2020 पैरालंपिक खेलों और टोक्यो 2020 ओलंपिक खेलों के खेल यादगार, अयोध्या राम मंदिर के मॉडल, वाराणसी का रुद्राक्ष सभागार और कई अन्य कीमती और दिलचस्प संग्रहणीय वस्तुएं शामिल रहे। इन वस्तुओं के लिए 8600 से अधिक बोलियां प्राप्त हुई थीं।ई-नीलामी में सबसे अधिक 140 बोलियां सरदार पटेल की मूर्ति के लिए मिली तो टोक्यो ओलंपिक में गोल्ड मेडल विजेता नीरज चोपड़ा की ओर से पीएम मोदी को दी गई जैवलिन (भाला) के लिए सबसे अधिक 1.5 करोड़ रुपये की बोली लगी।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर



राजस्थान हलचल

# अदालत के फैसले के विपरीत 10 परिवार के सामाजिक बहिष्कार बिल्कुल अशोभनीय, सरकार करे कार्रवाई- ईरा

**संवाददाता/**
**सैय्यद अलताफ हुसैन**

**सिरका।** प्रदेश के जिला धनबाद महुदा के कांड्रा का मामला काफी अशोभनीय हैं। यहां बीते चार वर्षों से अदालत में चल रहे मामले के विपरीत एक समाज के द्वारा 10 परिवारों का हुक्का पानी बंद कर देना देश के लोकतांत्रिक हित के उलट दिखाई पड़ता हैं। यह बातें इंडियन रिपोर्टर एसोसिएशन(ईरा) के प्रदेश संगठन सचिव रविकांत बनर्जी ने कहीं। उन्होंने कहां कि समाचार पत्रों के माध्यम से मामले का पता चला। यह फरमान कानून व्यवस्था को ठेंगा दिखाता प्रतीत हो रहा हैं। समाज में ऐसे लोग जो कानून को चुनौती देने का कार्य कर रहे हैं। इससे समाज में अच्छा संदेश नहीं जा रहा हैं। इस तरह का फरमान जारी करने से पहले उन सामाजिक प्रतिष्ठित लोगों को सोचना चाहिए था, कि ऐसे फरमान जो समाज में लोगों को अलग-थलग करने का संदेश देते हैं। इसका आखिर प्रभाव क्या पड़ेगा। 10 परिवार बीते 25 दिनों से सामाजिक बहिष्कार सह रहे हैं। यह एक प्रजातांत्रिक प्रदेश में काफी चौंकाने वाला मामला हैं। इसे लेकर जिला प्रशासन और सरकार गंभीरता से लेकर कार्रवाई करें। जो लोग सामाजिक व्यवस्था को अपने हाथों की कठपुतली बनाकर लोगों को बहिष्कार करने का काम कर रहे हैं। ऐसे लोग समाज को सही दिशा कैसे दे रहे हैं, यह हम सभी को सोचने का विषय हैं। इस मामले को गंभीरता पूर्वक समाज के हर एक लोगों को सोचना पड़ेगा। इस प्रकार के तुगलकी फरमान को जल्द प्रभाव से समाप्त करने की जरूरत हैं। जो समाज को कमजोर और कठोर बनाने की ओर लगातार तूल पकड़ रहा हैं। राष्ट्र में इस प्रकार के बाहरी फरमान नहीं चलनी चाहिए। इससे आने वाले बच्चों, युवाओं, महिलाओं पर काफी बुरा असर पड़ने वाला हैं। साथ ही घटित अपराधिक मामलों को भी दबाने और बढ़ाने पर भी जोर देता हैं। मांग किया कि जिला प्रशासन और सरकार इस कठोर फरमान को लेकर त्वरित सकारात्मक कार्रवाई करें। जिससे इस प्रकार के कानून विरोधी विचार आगे समस्या बनकर उत्पन्न ना हो सकें।

बुलढाणा हलचल

# आल इंडिया जमीयतुल कुरैश यूथ विंग महाराष्ट्र प्रदेश सह- सचिव पद पर समद कुरैशी नियुक्त

**संवाददाता/अशफाक युसुफ**

**बुलडाणा।** जिला के तहसील मलकापुर निवासी व युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत सामाजिक कार्यकर्ता समद कुरैशी को 'ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश' ने महाराष्ट्र प्रदेश सह- सचिव पद पर नियुक्त किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष युथ वींग अबु सुफियान कुरैशी साहब ने समद कुरेशी को नियुक्ती पणत्र देकर चुना। जिसके बाद उनके पास पूरे प्रदेश से बधाइयों के मैसेज व कॉल आ रही है। असद ने प्रदेश अध्यक्ष जी का धन्यवाद दिया। पणत्र मे उल्लेख दिया है के समद कुरेशी को ये पद मेहनत व लग्न से आल इंडिया जमियतुल कुरैश यूथ विंग के सिद्धान्तों एवं उद्देश्यों की प्रति समपर्ण को दृष्टिगत रखते हुए आपको आल इंडिया जमियतुल कुरैश यूथ विंग का प्रदेश सह-सचिव पद पर नियुक्त किया गया है हम आपसे आशा करते हैं कि आप आल इंडिया जमियतुल कुरैश यूथ विंग के उद्देश्यों एवं सिद्धांतों के प्रचार प्रसार हेतु करेंगे। और नोजवानो को साथ लेकर समाज को सामाजिक, राजनैतिक व शिक्षा के क्षेत्र में मजबूती प्रदान करेंगे।

# धार्मिक स्थल पर तोड़ फोड़ करने वाले आंतकियो को तुरंत गिरफ्तार करे-मुस्लिम महासभा

**संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन**

**राजसमन्द।** मुस्लिम महासभा के रास्ट्रीय सह सचिव जाफर खान फौजदार द्वारा महामहिम राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन राजसमन्द जिला कलेक्टर महोदय को दिया जिसमे नीमच जिले के तहसील जावद के कनेरा गांव के पास भेडा पीर बाबा साहब की दरगाह पर कुछ रोज पहले तीस चालीस आंतकियो द्वारा दरगाह में तोड़फोड़ पूर्वक डायनामाइट लगा कर विस्फोट कर दरगाह को क्षतिग्रस्त किया एवम खादिम नूर शाह निवासी जगपुरा राजसमन्द,साथ मे जमीला बेगम एवम इनके पति अब्दुल रजाक कलेसात उदयपुर को बहुत ही बर्बरता पूर्वक मारपीट की जिसमे इन जायरीन व बाबा को गम्भीर घायल हालात में इनको हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया जिनकी हालात नाजुक है,मुस्लिम महासभा ने मांग करते हुए कहा कि आतंकी संगठनों पर अंकुश लगाया जाए तुरन्त कारवाई करते हुए मुल्जिम आंतकियो को गिरफ्तार कर सजा दिलाई जावे ज्ञापन के दौरान जिला अध्यक्ष मोहतरमा रेहाना खान पठान, जिलाउपाध्यक्ष फारुख पठान, मुबारिक हुसैन पूर्व सरपंच जगपुरा, रशीद खान,सद्दाम हुसैन, इकबाल हुसैन, मुकद्दर खान, शहजाद, मोहसिन खान,फारुख मोहम्मद, अलीशेर, शराफत हुसैन, सद्दीक खान,च्छोटू मोहम्मद आदि उपस्थित रहे।

# बुखार से तप रहा जिला, स्वास्थ्य सेवाएं ध्वस्त

**संवाददाता/अशफाक युसुफ**

**बुलडाणा।** शहर सहीत ज़िला भर में पिछले कुछ दिनों से बुखार के रोगियों की संख्या में अच्छा खासा इजाफा हुआ है। पहले ही कोरोना महामारी के साथ ही डेंगू और चिकन गुनिया के साथ जूझ रहे स्वास्थ्य विभाग के सामने अब बुखार से जूझने की नौबत आ गई है बुखार के बढ़ते प्रभाव के चलते सरकारी अस्पताल के साथ ही निजी अस्पतालों में बड़ी संख्या में रोगी आने लगे हैं। अस्पतालों में आने वाले रोगियों को दवाइयां देने पर भी उनका बुखार उतर नहीं रहा है। सारी जांच निगेटिव बुखार से पीड़ित रोगियों के अस्पतालों में पहुंचने पर लक्षण के अनुसार उनकी जांच कराई जा रही है। जैसे कोरोना, डेंगू अथवा चिकन गुनिया की जांच करवाई जा रही है, लेकिन अधिकांश जांच रिपोर्ट निगेटिव मिल रही है। इसके साथ ही बुखार के साथ ही भूख नहीं लगना, सिर और शरीर में दर्द, खांसी की भी समस्या हो रही है, बारिश का आखिरी पड़ाव के साथ ही मौसम में कभी ठंडक तो कभी सुरज की तपिश मौसम के उतार चढाव जारी है। सुबह-शाम पड़ रही ठंड के बीच जनजीवन को गर्मी से बड़ी राहत मिली है। दोपहर के वक्त जरूर तेज धूप पसीना निकाल रही है। जिस से वायरल बुखार का जोर दिखाई दे रहा है।

# वन्दे गौ मातरम मंच और विराट बजरगं सेना के प्रवक्ता कर्णपाल सिंह ने घायल नंदी को अस्पताल पहुंचाया

**संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन**

**बीकानेर।** वन्दे गौ मातरम मंच और विराट बजरगं सेना के प्रवक्ता कर्णपाल सिंह ने बताया वंदे गौ मातरम परिवार के जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र जी सारस्वत को बिछवाल ट्रांसपोर्ट नगर से दीपक जी का फोन आया वहां पर एक छोटे से नंदी महाराज पड़े हैं और उनको श्वानो द्वारा काटने से गंभीर और दर्द से बेहाल होने की सुचना पर धर्मेंद्र जी ने समय रहते तुरंत प्रभाव से जीव रक्षा दल के जेडी भाई को फोन किया और मांगीलाल जी के द्वारा वेटरनरी हॉस्पिटल लाया गया और इलाज करवाया गया वंदे गौ मातरम परिवार के संरक्षक दिनेश सिंह भदोरिया, संरक्षक रवि जी पारीक, कोषाध्यक्ष संजय जी सेठिया जितेंद्र जी बिस्सा, कैलाश जी राजपुरोहित,और वंदे गौ मातरम परिवार और जीव रक्षा दल के सभी गौ पुत्रों का आभार व्यक्त किया।

# कोविड टीके : सीरम संस्थान को नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार तो भारत बायोटेक को ईरान भेजने की मिली अनुमति

**संवाददाता**

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने भारतीय सीरम संस्थान (एसआईआई) को कोविशील्ड टीकों की 10-10 लाख खुराकें नेपाल, म्यांमार और बांग्लादेश निर्यात करने की अनुमति दे दी है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि यह निर्णय भी लिया गया है कि भारत बायोटेक 'वैक्सीन मैत्री' कार्यक्रम के तहत अक्तूबर में कोवाक्सिन टीकों की 10 लाख खुराकें ईरान को उपलब्ध कराएगा। पुणे की फार्मा कंपनी एसआईआई को यूके में एस्ट्राजेनेका को कोविशील्ड टीके की थोक आपूर्ति करने की अनुमति भी मिल गई है। यह लगभग तीन करोड़ खुराकों के बराबर है। सूत्रों के अनुसार एसआईआई के निदेशक (सरकारी और नियामकीय मामले) प्रकाश कुमार सिंह ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया से इस संबंध में अगस्त में अनुमति मांगी थी। मंडाविया ने 20 सितंबर को कहा था कि भारत 'वैक्सीन मैत्री' कार्यक्रम के तहत और कोवाक्स वैश्विक पहल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए साल 2021 की चौथी तिमाही में बाकी बचे कोविड-19 टीकों का निर्यात फिर से शुरू करेगा। एसआईआई ने कोविशील्ड टीके की उत्पादन क्षमता बढ़ाकर इस समय 20 करोड़ खुराक प्रति माह कर दिया है। सीरम संस्थान ने केंद्र सरकार को बताया है कि अक्तूबर में इसकी वैक्सीन आपूर्ति क्षमता बढ़ कर लगभग 22 करोड़ खुराक प्रति माह हो जाएगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# इन स्टेप को फॉलो कर चेहरे से हटाएं मेकअप

## स्किन होगी Detox

ऑफिस हो या कॉलेज गर्ल्स, हर कोई सुंदर दिखने के लिए मेकअप का लगाती हैं। जब बात पार्टी की आती है तो वहां जाने के लिए लड़कियां खूब सारा और सबसे अलग मेकअप करती हैं, ताकि सबकी नजर उन पर ही टिकी रहे। इसके लिए वह तरह-तरह के मेकअप प्रॉडक्ट्स इस्तेमाल करती हैं, जिससे स्किन को कई तरह से नुकसान भी पहुंच सकता है। बहुत सी लड़कियां ऐसी भी है जो रात को बिना मेकअप रिमूव किए सो जाती है, जिससे स्किन पर रेशैज या अन्य कोई भी प्रॉबल्म हो सकती है। ऐसे में जरूरी है कि रात को सोने से पहले अच्छी तरह मेकअप को साफ करें। जरूरी नहीं है कि आपको मेकअप रिमूव करने के लिए मार्किट से तरह-तरह के मेकअप रिमूवर लाएं और ढेरों पैसे खर्च करें। आज हम आपको मेकअप हटाने के कुछ आसान से स्टेप्स बताएंगे, जिनकी मदद से आप घर बैठे आसानी से अपना मेकअप रिमूव कर सकते हैं और मेकअप से होंने वाली प्रॉबल्म से निजात पा सकती हैं।

**1. डबल क्लेनज़िंग**

पार्टी या शादी के दौरान किए हुए मेकअप को हटाने के लिए डबल

क्लींजिंग का उपयोग करें। इसके लिए आप ऑयल, वॉटर बेस्ड क्लींजर का इस्तेमाल कर सकती हैं।
ऑयल वाला क्लेन्जर त्वचा की गहराई से सफाई करके स्किन को स्मूद और ब्राइट करता है।

**2. स्क्रब**

दूसरे स्टप में फेस स्क्रबिंग करें। 2-3 मिनट स्क्रब करने से डेड सेल्स निकल जाएंगे और मेकअप से डैमेज हुई स्कीन सॉफ्ट हो जाएंगी।

**3. स्टीम**

एक टब में गर्म पानी लें। चेहरे को भाप दें। भाप लेने से ब्लैकहेड्स निकल जाते हैं जिससे ब्लड सकुर्लेशन ठीक से होने लगता है। स्टीम लेने से स्कीन ग्लो करने लगेगी।

**4. फेस मास्क**

इसके बाद अपनी स्किन टोन के हिसाब से कोई भी फेस मास्क लगा सकते हैं। फेस मास्क से स्किन ड्राईनेस की समस्या खत्म होती हैं।

**5. मॉइश्चराइज**

मास्क लगाने के बाद स्कीन मॉइश्चराइज करना बहुत ही जरूरी है। विटामिन सी से भरपूर मॉइश्चराइजर लगाएं। चेहरे के साथ गर्दन पर भी मॉइश्चराइज अप्लाई करें। इस तरह मेकअप से डैमज हुई स्कीन को सॉफ्ट बनाया जा सकता है।

# सैल्फी क्वीन बनने के लिए ट्राई करें ये मेकअप टिप्स

आजकल तो हर किसी पर सैल्फी लेने का भूत सवार रहता है। लड़कियां तो सैल्फी लेने के लिए किसी भी मूमेंट और जगहें को मिस नहीं करना चाहती लेकिन हर सेल्फी खूबसूरत हो ये जरुरी नहीं। एक अच्छी सेल्फी के लिए मेकअप का सही होना भी बहुत जरूरी है। कई बार मेकअप खराब होने का असर आपकी सैल्फी पर दिखाई देता है। आज हम आपको मेकअप के कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे जिनकी मदद से आप अपनी सैल्फी को और भी अच्छी बना सकती है। अगर आपको भी सैल्फी लेने का शौक हैं तो आप भी इन मेकअप टिप्स की मदद से खुद को खूबसूरत बना सकती है। तो आइए जानते है सैल्फी को परफेक्ट बनाने के लिए कुछ मेकअप टिप्स।

**सैल्फी मेकअप टिप्स**

1. सबसे पहले चेहरे को धो कर इसे मॉइस्चराइज करें। इसके बाद चेहरे पर हल्का सा प्राइमर लगाएं। अब कंसीलर और फाउंडेशन लगा कर मेकअप का बेस दें।
2. इसके बाद ब्रलशर की मदद से गालों पर हल्का सा ब्रोंजिंग पाउडर लगा लें। सैल्फी को अच्छी बनाने के लिए आप न्यूड मेकअप टोन का इस्तेमाल कर सकती है।
3. अब आंखो को आईलाइनर, मस्कारे और शिमर का इस्तेमाल करके हाइलाइट करें। लाइनर लगाने के लिए जेल लाइनर का इस्तेमाल करें।
4. लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों को साफ करके उसकी डेड स्किन निकाल दें। इसके बाद लिप प्राइमर लगाएं। अब इसके बाद न्यूड लिक्विड लिपस्टिक लगाएं।
5. इन मेकअप टिप्स से आपका चेहरा नेचुरल लगेगा और आपकी सैल्फी और भी अच्छी आएगी।

**मेकअप हटाने के लिए**

मेकअप हटाने के लिए कॉटन पर जोजोबा ऑयल की कुछ बूंदें डालें। इसके बाद चेहरे को साफ कर लें। मेकअप क्लींजिंग के लिए जोजोबा ऑयल सबसे बेस्ट हैं।

# शरीर में है आयरन की कमी तो लक्षण पहचान कर शुरू करें उपचार

मिनरल्स, विटामिन, प्रोटीन जैसे पोषक तत्व शरीर को स्वस्थ बनाएं रखते हैं। इनकी कमी होने से व्यक्ति को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वैसे ही आयरन भी शरीर के लिए बेहद जरूरी है। आयरन शरीर को स्वस्थ रखने, लाल रक्त कोशिकाओं को बनाने और मांसपेशियो को प्रोटीन पहुंचाने का काम करता है। शरीर में इसकी मात्रा कम होने पर खून की कमी होने लगती है। इसके कारण किडनी, कैंसर, कुपोषण, विटामिन बी, एनीमिया जैसी कई समस्याएं होती हैं।। आयरन की कमी अधिकतर महिलाओं में देखने को मिलती है। पौष्टिक आहार न लेने से या किसी बीमारी के कारण आयरन की कमी बढ़ने लगती है। इसकी कमी से बचने के लिए अपनी डाइट में आयरन युक्त आहारों को शामिल करना चाहिएं। आज हम आपको आयरन के कमी के लक्षण और उसकी कमी होने पर कौन से आहार का सेवन करें इसके बारे में बताएंगे।

## तो चलिए जानते है उन लक्षणों के बारें में आयरन की कमी के लक्षण

**1. कमजोरी व थकावट महसूस होना**

थोड़ा सा काम करना, पैदल चलना या दौड़ने से ही व्यक्ति को थकावट होना आयरन की कमी के कारण हो सकता है। थकावट होने के साथ ही चक्कर आना, कमजोरी आना जैसे लक्षण भी देखाई दे सकते हैं।

**2. रंग पीला पड़ना**

शरीर में आयरन की कमी होने से लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या कम हो जाती है जिससे चेहरे का रंग पीला पड़ना शुरू हो जाता है।

**3. सिरदर्द**

शरीर में आयरन की कमी होने पर खून दिमाग तक नहीं पहुंच पाता है जिससे हर वक्त सिरदर्द होने लगता है।

**4. दिल की धडक्कन तेज होना**

दिल खून को शरीर के हर हिस्से तक पहुंचाने का काम करता है लेकिन जब शरीर में खुन की कमी होने लगती है तो इसका सबसे ज्यादा असर दिल पर ही पड़ता है। ऐसे में दिल की धड़कन बहुत तेज हो जाती है।

**आयरन की कमी को पूरा करने के लिए क्या खाएं**

आयरन की कमी को पूरा करने के लिए पौष्टिक आहर लें। हरी सब्जियां जैसे पालक, मेथी, गोभी, पत्तागोभी, शलजम, शंकरकंद, गुड़, अंडा, चुकंदर, सेम, मसूर, टोफू, छिलका युक्त आलू, ब्रोकली, साबुत अनाज, ब्रेड, जौ और आयरन फोटीफाइड अनाज आदि को डाइट में शामिल करें। इसके साथ ही बादाम, खजूर, किशमिश, अंगूर, अनार, अंजीर, खुबानी खाने से आयरन की कमी पूरी होती है।

**खून बढ़ाने के उपाय**

1. एक गिलास नींबू पानी में शहद मिलाकर पीएं। रोजाना इसका सेवन करने से कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगता है।
2. एक गिलास चुकंदर के जूस में 1 चम्मच शहद मिलकार पीएं।
3. अनार के जूस में सेंधा नमक, काली मिर्च डालकर पीने से शरीर में खून बनने लगता है।
4. रोजाना एक गिलास टमाटर का जूस पीने से भी आयरन की कमी पूरी होने लगती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

MAHA RERA NO.: P99000025618

Mariyam Heritage
Heritage Builders & Developers

WALIV'S LUXURIOUS PROJECT
WITH LIFESTYLE AMENITIES

Mariyam Heritage

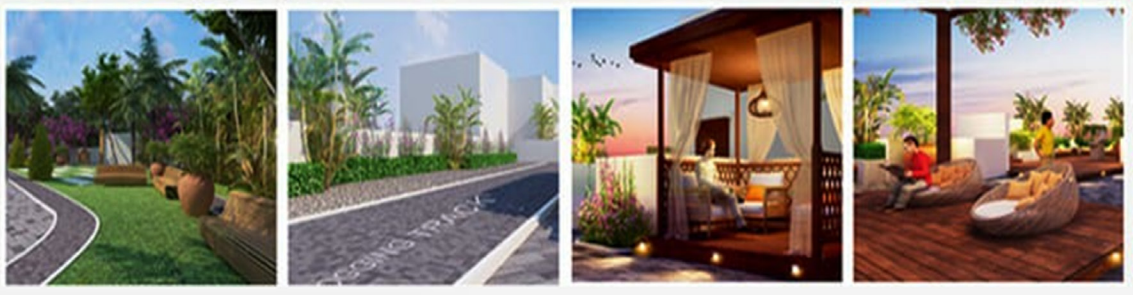

VASAI EAST

Strategic Location & Easy Accessibility

Hospitals :
Valwadevi Multispeciality - 800m
Metropolis Healthcare - 900m

Banks :
Abhyudaya Co-op Bank - 500m
Federal Bank - 600m

Schools :
Ludhani Vidyamandir - 700m
Fr. Angel School - 800m

Rastuarants :
Hotel Shalimar - 300m
Hotel Regency - 900m

Entertainments :
Carnival Cinema - 4.2km
Dream The Mall - 4.2km

Accessibility :
Vasai E Railway Station - 8 km
Highway NH8 - 1.6km

STARTING FROM
31.35 LACS*

THIS SCHEME ALSO AVAILABLE
DOWNPAYMENT 5%
NO EMI TILL POSSESSION*
APPROVED FROM ALL LEADING BANKS

VASAI (E)
FOR MORE DETAILS CONTACT +91 8291669848
SITE ADD : MARIYAM HERITAGE. NEXT TO SANIYA CITY. BEHIND SHALIMAR HOTEL. WALIV. VASAI ROAD (E)